महाचार्य श्री सौरभ जे. सरकार

कृषक-शिक्षाविद् · शहरी कृषि एवं खाद्य-प्रणाली के अग्रदूत · वृहद-स्तरीय संस्कृति एवं व्यवहार-परिवर्तन विशेषज्ञ · संस्थापक, KarmYog for the 21st Century

+91 98300 67217 | कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत | linkedin.com/in/sourabhjsarkar
401, IIT Kharagpur Research Park, New Town, Kolkata 700135 | reachus@ky21c.org | www.karmyog21c.in

परिचय

> "हमें एक ऐसी मानव-क्षमता अभिव्यक्ति प्रणाली चाहिए जो सार्थक, प्रासंगिक, समग्र, संतुलित और समावेशी हो... एक ऐसा शिक्षण ढाँचा जिसकी गुणवत्ता विस्तार के साथ क्षीण न हो।"

श्रद्धापूर्वक **"महाचार्य जी"** के नाम से विख्यात सौरभ जे. सरकार एक वृहद-स्तरीय संस्कृति एवं व्यवहार-परिवर्तन विशेषज्ञ हैं, जिन्होंने तीन दशकों से अधिक समय समुदायों को कृषि, आजीविका और शिक्षा में नए विचार अपनाने में सहायता करते हुए बिताया है। एक शिक्षाविद्, सिस्टम-चिंतक और प्रौद्योगिकीविद् के रूप में उन्होंने **कर्मयोग फॉर द 21st सेंचुरी (KY21C)** की स्थापना की और इसका नेतृत्व करते हैं — एक ऐसा आंदोलन जो दर्शन को ग्रामीण एवं शहरी परिवर्तन के जीवंत, विस्तार-योग्य प्रतिमानों में बदलता है, जिसके केंद्र में हैं **भोजन, खेती और पारिस्थितिक कल्याण।**

दो दशकों से उन्होंने **निजी क्षेत्र, सार्वजनिक क्षेत्र और सरकार** — भारत में तथा चार महाद्वीपों में — के संगठनों को शिक्षा एवं कौशल-विकास समाधान प्रदान किए हैं, और वह प्रौद्योगिकी ढाँचा विकसित किया है जिसने इन कार्यक्रमों को लगभग पाँच लाख लोगों तक पहुँचाया है। उनका विशिष्ट योगदान है **परंपरा और आधुनिकता** को साथ लाना — पारंपरिक कृषि एवं सामुदायिक ज्ञान का सम्मान करते हुए प्रौद्योगिकी, डिज़ाइन और AI के माध्यम से परिवर्तन को जन-स्तर पर अपनाने योग्य बनाना।

मुख्य विशेषज्ञता: वृहद-स्तरीय संस्कृति एवं व्यवहार परिवर्तन | किसान एवं ग्रामीण-युवा शिक्षा | शहरी कृषि, बागवानी एवं जैविक उपज | कौशल विकास एवं आजीविका | विस्तार हेतु शिक्षण प्रौद्योगिकी एवं AI | निजी, सार्वजनिक एवं सरकारी साझेदारियाँ

वृहद-स्तरीय संस्कृति एवं व्यवहार परिवर्तन

महाचार्य जी की मूल विशेषज्ञता है **वृहद-स्तर पर संस्कृति और व्यवहार में परिवर्तन** लाना — लोगों को जड़ जमा चुकी पुरानी पद्धतियों से हटाकर खेती और जीवन के अधिक स्वस्थ, टिकाऊ एवं उत्पादक तरीकों को अपनाने में सहायता करना। उनके द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी एवं शिक्षण-पद्धति के ढाँचे को चार प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से लागू किया गया है, जिन्होंने मिलकर **ओडिशा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों में लगभग पाँच लाख लोगों के जीवन को छुआ है।**

- **किसान शिक्षा परियोजना** (Farmer Education Project) — किसानों को पारंपरिक कृषि-ज्ञान का सम्मान करते हुए टिकाऊ, रसायन-मुक्त एवं अधिक उत्पादक पद्धतियों से सशक्त करना।
- **ग्रामीण युवा कैरियर परामर्श परियोजना** (Career Counselling for Rural Youth) — ग्रामीण युवाओं को आजीविका, कौशल एवं अवसर की ओर मार्गदर्शन देना।
- **सड़क सुरक्षा परियोजना** (Road Safety Project) — समुदायों में सुरक्षित सड़क-व्यवहार विकसित करने हेतु एक वृहद व्यवहार-परिवर्तन अभियान।
- **स्किल मित्र परियोजना** (Skill Mitra Project) — लोगों के निकट पहुँचकर अंतिम-छोर तक कौशल एवं व्यावसायिक सशक्तिकरण।

प्रत्येक कार्यक्रम **वृहद-स्तर पर अपनाए जाने** हेतु रचा गया है — कथावाचन, शिक्षण-पद्धति और प्रौद्योगिकी का उपयोग कर लोगों को अपनी परंपराओं के साथ रहते हुए नए विचार अपनाने में सहायता करना।

शहरी कृषि, बागवानी एवं जैविक खाद्य उत्पादन

भारत में शहरी हरियाली के अग्रदूत महाचार्य जी ने शहरी स्थानों को — **60 वर्ग फुट की बालकनी से लेकर 5 एकड़ के भूखंड तक** — बागवानी और **जैविक, रसायन- एवं कीटनाशक-मुक्त उपज** के लिए उत्पादक भूमि में बदलने पर ध्यान केंद्रित किया है। उनका प्रतिमान बड़े केंद्रीकृत भूखंडों के स्थान पर छोटे, विकेन्द्रित कृषि-योग्य टुकड़ों — **वाटिकाओं** — को प्राथमिकता देता है, जो खाद्य उत्पादन, आजीविका और पारिस्थितिक संरक्षण को शहर के हृदय में लाते हैं।

- **मिशन बायोफीलिया / 10 लाख वाटिकाएँ** — एक राष्ट्रीय पहल जिसका लक्ष्य दस लाख उत्पादक शिक्षण-एवं-आजीविका उद्यान हैं, प्रत्येक में जैविक खाद्य उत्पादन, कौशल, आजीविका-सृजन एवं पारिस्थितिक संरक्षण का समावेश।
- **जैविक, रसायन- एवं कीटनाशक-मुक्त उपज** — हानिकारक तत्वों के बिना उगाया गया शहरी भोजन, उन्हीं समुदायों के निकट जो इसका उपभोग करते हैं।
- **"प्लांट लाइब्रेरी"** — प्रत्येक वाटिका को आसपास के समुदाय के लिए पौधों एवं कृषि-ज्ञान की एक जीवंत, उधार-योग्य पुस्तकालय में बदलना।
- **वाटिका विस्तार** — आवासीय, संस्थागत एवं सरकारी स्थानों पर क्रियान्वित, जिनमें बिहार विधान परिषद, पटना के सरकारी आवासों का रूपांतरण और IIT खड़गपुर रिसर्च पार्क में वृहद सार्वजनिक प्रतिष्ठापन सम्मिलित हैं।

कर्मयोग फॉर द 21st सेंचुरी

महाचार्य जी द्वारा स्थापित एवं नेतृत्वित KY21C **कृषि, शिक्षा, व्यवहार-विज्ञान और डिजिटल सहभागिता** को एक ही दर्शन के अंतर्गत एकीकृत करता है: **"प्रकृति के माध्यम से सीखना, जीना और आजीविका।"** यह क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं, शिक्षण-उद्यानों एवं डिजिटल मंचों का एक समूह संचालित करता है जो विचारों को जन-स्तरीय व्यवहार में बदलते हैं।

- **कर्मयोग डेवलपमेंट लैब, माहिष बाथान** — सामुदायिक-स्तर की कृषि, शिक्षा एवं स्थिरता कार्यक्रमों हेतु उपकरण एवं प्रणालियाँ विकसित करना।
- **कर्मयोग वाटिका नेटवर्क** — बंगाल और उससे आगे फैलते उत्पादक सामुदायिक शिक्षण-उद्यानों की एक श्रृंखला।
- **OmniDEL टैबमास्टर प्लेटफ़ॉर्म** — जन-स्तरीय नागरिक शिक्षा एवं व्यावसायिक सशक्तिकरण हेतु एक पुरस्कृत सहभागिता एवं ई-लर्निंग प्रौद्योगिकी।

विस्तार हेतु प्रौद्योगिकी एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता

- **OmniDEL™ लर्निंग फ्रेमवर्क** — वह पुरस्कृत इंजन जिसने चार प्रमुख कार्यक्रमों को कई राज्यों में लगभग पाँच लाख लोगों तक पहुँचाया।
- **OmniDEL टैबमास्टर** — एक फिजिटल वितरण नेटवर्क (OmniDEL ग्रीन्स, गुनाकुल, मेगा- एवं माइक्रो-जंक्शन, जंक्शन ऑन व्हील्स एवं भ्रमणशील टैबमास्टर) जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षण को अंतिम छोर तक पहुँचाता है।
- जमीनी कृषि एवं आजीविका पहलों को जन-आंदोलनों में परिवर्तित करने हेतु **AI, सजीव कथावाचन एवं डेटा-आधारित अंतर्दृष्टि** का उपयोग।
- 1996 में भारत का **पहला इंटरैक्टिव-मल्टीमीडिया कॉर्पोरेट-प्रशिक्षण प्रभाग** शून्य से खड़ा किया — देश में शिक्षण हेतु इंटरैक्टिव मल्टीमीडिया अपनाने वालों में अग्रणी।
- विश्वभर के ग्राहकों के लिए **200+ रिच-मीडिया ई-लर्निंग परियोजनाएँ** क्रियान्वित कीं।

शिक्षा एवं कौशल विकास

- **कर्मयोग-21C के तीन स्तंभ:** OmniDEL™ (गुणवत्ता जो विस्तार के साथ क्षीण न हो), OmniVERSITY™ (विस्तार हेतु फिजिटल वितरण) एवं OmniMART™ (शिक्षा को सुलभ रखने वाला मॉडल)।
- **कर्मयोग ग्रीन विलेज** — न्यू टाउन, कोलकाता में पुनर्ग्रहित भूमि पर निर्मित जीवन-कौशल, जीवन-शैली एवं आजीविका शिक्षा परिसर; स्वास्थ्य एवं जीवनशैली, पाठ्यक्रम सहायता, प्रदर्शन कला एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण विभाग।
- **बेहतर लाइफ इनिशिएटिव** — राष्ट्रव्यापी जीवन-कौशल कार्यक्रम, निरंतर जन-सहभागिता हेतु बेहतर लाइफ क्लब एवं स्टूडियो।
- **25+ वर्षों** से वंचित एवं ग्रामीण समुदायों हेतु जन-साक्षरता एवं शिक्षा कार्यक्रमों का संचालन।

शैक्षणिक पृष्ठभूमि

- **IIT खड़गपुर** — बी.टेक, रासायनिक अभियांत्रिकी (1986–1990)। फुटबॉल में इंस्टिट्यूट ब्लू (4 वर्षों में 3 स्वर्ण); महासचिव, सोसाइटी एवं कल्चर (1990)।
- **ज़ेवियर इंस्टिट्यूट ऑफ कम्युनिकेशंस, मुंबई** — डिप्लोमा, वीडियो प्रोडक्शन (1991–1992, ग्रेड A+)।
- **यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफ़ोर्निया (USC)** — मास्टर्स, कम्युनिकेशंस मैनेजमेंट (1993, ग्रेड A+)।
- **सिराक्यूज़ यूनिवर्सिटी, न्यूहाउस स्कूल** — एम.ए., इंटरैक्टिव मल्टीमीडिया (1994–1995, ग्रेड A)।

व्यावसायिक अनुभव

- **संस्थापक एवं परम सेवक**, कर्मयोग फॉर द 21st सेंचुरी फ़ाउंडेशन — 2008–वर्तमान।
- **महाचालक**, कर्मयोग ग्रीन विलेज — 2009–वर्तमान।
- **परिचालक**, कर्मयोग वाटिका, पूर्वी कोलकाता आर्द्रभूमि — 2021–वर्तमान।
- **मुख्य सलाहकार**, कर्मयोग लर्निंग सॉल्यूशंस (ऑमनिवेरा लर्निंग सॉल्यूशंस प्रा. लि.) — 2008–वर्तमान। दो दशकों से चार महाद्वीपों में निजी, सार्वजनिक एवं सरकारी ग्राहकों को शिक्षण एवं कौशल-विकास समाधान।
- **अध्यक्ष एवं सह-संस्थापक**, कर्मयोग वेंचर्स — 2009–2022।
- **संस्थापक**, एस्थेटिक टेक्नोलॉजीज़ — 1997–2007।
- **उपाध्यक्ष**, इंटरैक्टिव मल्टीमीडिया, DAIS इन्फोटेक — 1996–1997।
- **अधिकारी**, कॉर्पोरेट संचार, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लि. (BPCL) — 1990–1993।

सम्मान एवं मान्यता

- OmniDEL™ ढाँचे के लिए **टाटा ट्रस्ट्स विशेष मिलियन-डॉलर अनुदान** (अगस्त 2016)।
- **सर्वश्रेष्ठ अधिगम पद्धति पुरस्कार** — OmniDEL™, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम, NSDC (अक्टूबर 2014)।
- **बिज़नेस स्टैंडर्ड** — "स्कूल ऑफ जॉय" के रूप में प्रस्तुत (*3 इडियट्स* के 'रैंचो' से तुलना); **टेलीग्राफ इंडिया** — IIT खड़गपुर रिसर्च पार्क के बायोफीलिक स्टूडियो हेतु प्रस्तुत।
- IIT खड़गपुर रिसर्च पार्क में स्थिरता, बायोफीलिक सिद्धांतों एवं नवाचार पर आमंत्रित मुख्य वक्ता एवं संचालक।

व्यक्तिगत जीवन एवं ध्येय

महाचार्य जी सदैव व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन के बीच की रेखा को मिटाने का प्रयास करते रहे हैं — जो वे सिखाते हैं, उसे जीते हैं। वे कोलकाता में अपनी *सहधर्मिणी* **श्रीमती रीना जे. सरकार**, अपने 28-वर्षीय पुत्र एवं 23-वर्षीय पुत्री, तथा लगभग **100 लोगों के विस्तृत कर्मयोग आश्रम परिवार** के साथ रहते हैं, जो एक ही समुदाय के रूप में मिलकर रहते एवं कार्य करते हैं। उनके लिए टिकाऊ कृषि, सजग जीवन और आजीवन सीखना केवल व्यावसायिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रतिदिन अपने परिजनों के साथ जिया जाने वाला एक जीवन-मार्ग है।

प्रेरक प्रभाव

केन विल्बर का इंटीग्रल सिद्धांत (विज्ञान एवं अध्यात्म, आधुनिकता एवं परंपरा का सह-अस्तित्व) · कर्मयोग दर्शन (21वीं सदी के कार्य-जीवन में शाश्वत मूल्यों का प्रयोग) · बायोफीलिक एवं पुनर्योजी डिज़ाइन (प्रकृति शिक्षक, सहयोगी एवं आजीविका का स्रोत)।